भावना – बुजुर्गों का परिवार

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

वरिष्ठ नागरिकों तथा निर्बल एवं असहाय जनों के हितों को समर्पित अखिल भारतीय समाजसेवी महासमिति।
सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 के अन्तर्गत लखनऊ में पंजीकृत। पंजीयन संख्या : 662/2000–01

507, कसमन्डा अपार्टमेन्ट्स, 2, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ – 226001, भारत
फोन: +91-522-4016048 वेबसाइट: www.bhavanaindia.org ई.मेल: bhavanasindia@gmail.com

समिति का इक्कीसवाँ वार्षिक महाधिवेशन - 21 मार्च, 2021
प्रमुख महासचिव का प्रतिवेदन (समिति की वार्षिक रिपोर्ट)

भावना के **इक्कीसवें महाधिवेशन** की अध्यक्षता कर रहे संस्थापक विशिष्ट सदस्य व राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल जी, मुख्य अतिथि लखनऊ के यशस्वी पुलिस आयुक्त माननीय श्री ध्रुव कान्त ठाकुर जी, मंचासीन सम्मानित विशिष्ट अतिथिगण, सभागार में उपस्थित अन्य अतिथिगण, **भावना** की सदस्य संस्थाओं से उपस्थित सम्मानित प्रतिनिधिगण, विभिन्न मीडिया से उपस्थित पत्रकार बंधुओ, समिति के पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण तथा सभा में उपस्थित देवियो एवं सज्जनो। मैं **भावना** की प्रबंधकारिणी की ओर से एवं स्वयं अपनी ओर से भी इस महाधिवेशन में आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

मान्यवर, भारत में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश की कुल जनसंख्या की आज 11 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। चिकित्सा क्षेत्र में हुए नये–नये आविष्कारों के चलते एवं निजी स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता एवं सतर्कता के कारण भारत के नागरिकों की औसत उम्र में निरन्तर वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के अनुसार अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या कुल जनसंख्या की लगभग 20 प्रतिशत हो जायेगी। ऐसी परिस्थिति में शासन की जिम्मेदारी है कि वह वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उनके सुचारू और सुरक्षित तथा आसान जीवन की व्यवस्था सुनिश्चित करे। अभी तक देश के वरिष्ठ नागरिकों ने अनुभव किया है कि केन्द्र एवं राज्य सरकारें उनके प्रति संवेदनशील नहीं है। सरकारों की उदासीनता के कारण ही वरिष्ठ नागरिकों ने संगठित होकर स्वयं हित की योजनायें बनाने तथा उनके समयबद्ध कार्यान्वयन हेतु सरकारों को बाध्य करने का संकल्प लिया एवं देश भर में विभिन्न स्थानों पर वरिष्ठ नागरिक समितियों के गठन हुए। इसी दृष्टि से **भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना)** की स्थापना भी वर्ष 2000 में हुई थी।

भावना का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के हितलाभों को सुनिश्चित कराना तथा उनमें स्वावलम्बन, सहयोग, सहिष्णुता एवं सेवा की भावना बलवती करना है ताकि उनमें सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हो एवं वे प्रसन्न, स्वस्थ एवं सार्थक जीवन सुचारू रूप से जी सकें। **भावना** ने अपने उद्देश्यों में समाज के कमजोर वर्गों, यथा, निराश्रित महिलाओं, बेसहारा बच्चों, दिव्यांगजनों, निर्बल एवं असहायजनों के कल्याण सरीखे विषयों को भी सम्मिलित किया है और यही सर्वजन हितकारी कार्यक्रम **भावना** को वरिष्ठ नागरिकों की अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से भिन्न बनाते हैं। **भावना** समाज के निर्बल एवं असहाय वर्ग के कल्याण हेतु कार्यों को प्रधानता देती है जबकि अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियां केवल वरिष्ठ नागरिकों के हित चिन्तन में ही लगी रहती हैं। **भावना** का प्रत्येक सदस्य स्वयं को समाज से जुड़ा महसूस करता है तथा यथासम्भव विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में अधिकाधिक सहयोग प्रदान कर प्रसन्नता महसूस करता है। इन्हीं विशेषताओं के कारण **भावना** उत्तर प्रदेश में ही नहीं अपितु पूरे भारत वर्ष में सक्रिय वरिष्ठ नागरिक समितियों में प्रमुख स्थान रखती है। **भावना** के सदस्यों की संख्या 1000 से अधिक हो चुकी है एवं इस संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वरिष्ठ नागरिकों का हित–चिन्तन करने वाली 16 अन्य स्वैच्छिक संस्थायें **भावना** की संस्थागत सदस्य हैं। इस प्रकार सभी को मिलाकर सदस्यों की संख्या लाखों में हो जाती है। **भावना** का मुख्यालय लखनऊ में है। इसकी शाखायें ओबरा (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण सोनभद्र जनपद), उन्नाव (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उन्नाव जनपद), नोएडा (कार्यक्षेत्र दिल्ली/नई दिल्ली सहित सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) तथा यमुना एक्सप्रेस–वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी टाउनशिप – येडा (कार्यक्षेत्र निर्माणाधीन **भावना ओल्ड एज होम** परिसर) में स्थापित एवं क्रियाशील हैं।

अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विभिन्न कार्यक्रमों को सुचारू रूप से कार्यान्वित करने हेतु **भावना** ने अधोवर्णित प्रकोष्ठों का गठन कर उनके दायित्वों का निर्धारण किया है। प्रत्येक प्रकोष्ठ अपने दायित्वों के अनुरूप योजनायें बनाकर

क्रमशः...2

उन्हें कार्यान्वित करता है। प्रत्येक प्रकोष्ठ में संयोजक सहित आवश्यकतानुसार ऐसे सदस्यों का मनोनयन किया गया है जिनकी सम्बन्धित कार्य/विषय में रुचि है।

1. वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ, 2. शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ, 3. ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ, 4. सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ, 5. वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ, 6. प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ, 7. सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ, 8. महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, 9. पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ, 10. संपादन प्रकोष्ठ, 11. संसाधन प्रबन्ध प्रकोष्ठ, तथा 12. अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ।

मान्यवर, विगत 23 फरवरी, 2020 को सम्पन्न हुए समिति के बीसवें महाधिवेशन के तत्काल बाद देश में कोरोना महामारी का प्रकोप प्रारम्भ हो गया था जो अब तक जारी है। इस महामारी से आम आदमी को सुरक्षित रखने के उद्येश्य से सरकार ने तमाम प्रतिबंध लागू किए थे जिनका सबसे अधिक प्रतिकूल प्रभाव वरिष्ठ नागरिकों पर पड़ा था और अब भी पड़ रहा है। भावना चूंकि वरिष्ठ नागरिकों की ही संस्था है इस लिए उन तमाम प्रतिबंधों का प्रतिकूल प्रभाव इसके विभिन्न जन–कल्याणकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर भी पड़ा है। फिर भी येन–केन–प्रकारेण हम अपने कुछ कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में सफल हुए हैं। मेरा विनम्र निवेदन है कि समिति द्वारा विगत महाधिवेशन के बाद से अब तक किए गए कार्यों का मूल्यांकन वर्णित प्रतिकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ही करने की कृपा करें।

अब मैं गत महाधिवेशन के बाद से अब तक समिति के विभिन्न प्रकोष्ठों के माध्यम से **भावना** द्वारा किए गये, किए जा रहे तथा भविष्य में किए जाने वाले नियोजित कार्यक्रमों/योजनाओं का संक्षिप्त विवरण आपके समक्ष क्रमवार प्रस्तुत कर रहा हूँ।

1. लोकतांत्रिक व्यवस्था में संख्या बल का विशेष महत्व होता है। इसलिए **भावना** ने अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने के साथ–साथ वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य निर्धन व बेसहारा लोगों के लिए काम करने वाली कुछ स्वैच्छिक संस्थाओं को अपने साथ जोड़ने एवं कुछ अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से जुड़ने के कार्य को प्राथमिकता दी है। ऐसा करना इसलिए आवश्यक था ताकि केन्द्र एवं राज्य सरकारों से वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं सुविधायें प्राप्त करने हेतु मांगों में एकरूपता रहे। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु **भावना** ने कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ अंतरंग सम्बन्ध स्थापित किए हैं। जिनमें World U3A, U3A Asia Pacific Alliance, HelpAge International, HelpAge India, Help Your NGO, GuideStar India, All India Senior Citizen Confederation (AISCCON), Indian Society of Universities of Third Age (ISU3A), Senior Citizen Confederations of Delhi, Uttarakhand, Chandigarh, Nepal and Daman तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद एवं वरिष्ठ नागरिक महासमिति, उत्तर प्रदेश प्रमुख हैं। **GuideStar India ने भावना की पारदर्शी कार्यशैली का सम्मान करते हुए हमें अपना Transparency Key नामक सम्मान इसी वर्ष प्रदान किया है। भावना** ने अबतक जिन 16 संस्थाओं को संस्थागत सदस्यों के रूप में अपने साथ जोड़ा है, उनके नाम तथा अन्य विवरण आपको पंजीकरण के समय उपलब्ध कराए गए समिति द्वारा प्रकाशित अद्यतन सदस्यता सूची में निहित हैं।

2. **भावना** ने हेल्पेज इण्डिया सहित अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियों के साथ मिलकर सम्मिलित प्रयास करके उत्तर प्रदेश सरकार से **माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण अधिनियम** को 28 अगस्त, 2012 को अंगीकृत कराया तथा तद्क्रम में हम 14 फरवरी, 2014 को **माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण नियमावली 2014** की अधिसूचना निर्गत कराने में सफल हुए। इस नियमावली में निहित प्राविधानों को लागू कराने हेतु **भावना** निरंतर प्रयत्नशील हैं। कुछ प्राविधान लागू हो भी चुके हैं परंतु जमीनी हकीकत नियमावली के प्राविधानों से मीलों दूर है। वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित जिला समिति एवं राज्य परिषद की स्थापना कागजी भले हों पर धरातल पर दृष्टिगोचर नहीं हैं। **माननीय मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता वाली राज्य परिषद में रिक्त चल रहे गैर सरकारी सदस्यों के पदों में से दो पदों पर भावना के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल तथा उपमहासचिव(एडवोकेसी) माननीय श्री सत्य देव तिवारी की नियुक्ति इस वर्ष उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा कर दी**

क्रमशः...3

गयी है किन्तु राज्य परिषद की बैठक विभाग द्वारा अभी तक एक भी बार आहूत नहीं की गयी है।

3. हेल्पेज इण्डिया, वरिष्ठ नागरिक महासमिति उत्तर प्रदेश तथा **भावना** द्वारा अन्य समितियों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा **उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति** 21 मार्च, 2016 को निर्गत कराई गई। इसमें निहित प्राविधानों का अनुपालन कराने हेतु हम निरन्तर प्रयत्नशील हैं।

4. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय सम्प्रति अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ी जाति आदि के कार्यों के संबंध में अधिभारित होने के कारण वरिष्ठ नागरिकों के हितों के अनुरूप प्रभावी कार्यवाही के लिए संवेदनशील नहीं हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में केन्द्र एवं राज्यों में पृथक वरिष्ठ नागरिक कल्याण मंत्रालय गठित कराने हेतु हम निरंतर प्रयासरत रहे हैं एवं रहेंगे।

5. **शिक्षा सहायता योजनाः भावना** द्वारा वर्ष 2007 से प्रारम्भ करके निर्धन किन्तु मेधावी छात्र/छात्राओं को आर्थिक सहायता पहुंचाने के उद्येश्य से प्रत्येक शिक्षा सत्र में कक्षा 8 तक के हर छात्र/छात्रा को 1200 रुपये, कक्षा 9 व 10 के हर छात्र/छात्रा को 1800 रुपये तथा कक्षा 11 व 12 के हर छात्र/छात्रा को 2000 रुपये की सहायता दी जाती है। वर्ष 2017 से प्रारम्भ करके हर वर्ष स्नातक कक्षाओं में अध्ययन–रत अत्यंत मेधावी छात्रों/छात्राओं में से प्रत्येक को 6000 रुपये की सहायता दी जाती है। गत वर्ष से **भावना** द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन–रत छात्रों/छात्राओं को भी उनकी पूरी फीस के समतुल्य सहायता प्रदान की जाने लगी है।

वर्तमान शिक्षा सत्र 2020–21 में इस योजना के अन्तर्गत 9 विद्यालयों के कक्षा 9, 10, 11 व 12 के 32 बच्चों को उपरोक्तानुसार आर्थिक सहायता दी गयी। इसके अतिरिक्त स्नातक स्तर के 4 छात्रों/छात्राओं को भी उपरोक्तानुसार आर्थिक सहायता दी गयी। इस योजना के अतर्गत वर्तमान शिक्षा सत्र में अब तक कुल 84,000 रुपये की सहायता दी गयी। श्री अंकित सिंह नेगी एवं कु. श्रृष्टि राम को कक्षा 12 एवं कक्षा 10 में श्रेष्ठ परीक्षाफल के लिए क्रमशः 15,000 रुपए एवं 10,000 रुपए के **स्व. रमेश चन्द्र तिवारी स्मृति पुरस्कार** दिए गए। इसी प्रकार कु. पूजा मिश्रा को उनके कक्षा 12 में श्रेष्ठ परीक्षाफल के लिए 21,000 रुपए के **स्व. डा. कृष्ण दत्त पाण्डेय स्मृति पुरस्कार** एवं कु0 अंजली भारती को उनके कक्षा 10 में श्रेष्ठ परीक्षाफल के लिए 11,000 रुपए के **स्व. श्रीमती गायत्री देवी पाण्डेय स्मृति पुरस्कार** से सम्मानित किया गया। सभी को प्रशस्ति पत्र भी दिये गये। इसके अतिरिक्त **भावना** के **विशिष्ट संरक्षक सदस्य** माननीय **बिग्रेडियर अशोक पाण्डेय जी** द्वारा बी. टेक. के छात्र श्री आयुष बाजपेई को द्वितीय वर्ष के अध्ययन हेतु 28,500 रुपए तथा बी.एड. के छात्र श्री अमित सिंह को भी द्वितीय वर्ष के अध्ययन हेतु 62,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कोरोना महामारी के कारण इस वर्ष **भावना का स्थापना दिवस समारोह** आयोजित नहीं किया जा सका। इस लिए कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दो छोटे छोटे समारोह आयोजित करके उपरोक्त सभी छात्रों/छात्राओं को स्वीकृत सहायता राशियों के भुगतान सीधे उनके नाम से आहरित चेकों द्वारा प्रदान किए गए। कोरोना महामारी के दौरान विद्यालयों के न खुलने के कारण कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों/छात्राओं के विवरण प्राप्त न हो पाने के कारण इस वर्ग के छात्रों/छात्राओं को कोई सहायता राशि नहीं दी जा सकी है।

6. **अनौपचारिक शिक्षण योजनाः** इस योजना के अन्तर्गत कोरोना महामारी प्रारम्भ होने से पहले तक अत्यन्त गरीब/लावारिस बच्चों, जिन्हें हम Street Children कहकर सम्बोधित करते हैं, को साक्षर एवं संस्कारित करने का प्रयास किया जाता रहा था। **भावना** ने इसी उद्येश्य से झुग्गी/झोपड़ियों की बस्तियों में **अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों** की श्रृंखला स्थापित करने एवं संचालित करने का निर्णय लिया है। इस अभियान के अन्तर्गत पहला शिक्षण केन्द्र मई 2015 से लखनऊ में बिजनौर मार्ग पर बिजली पासी चौराहे के समीप औरंगाबाद रेलवे क्रासिंग के पार स्थित मानसरोवर योजना के सेक्टर–पी में स्थापित एवं संचालित था जहाँ 50 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे थे। इस कार्य हेतु दो महिला शिक्षक नियुक्त थीं। इस केन्द्र पर वेतन इत्यादि मिलाकर कुल लगभग एक लाख रुपये का वार्षिक व्यय आता था। इस केन्द्र में बच्चों को साक्षर बनाने के साथ–साथ उन्हें अच्छे संस्कार भी दिए जाते थे तथा उन्हें उत्साहित करने के उद्येश्य से स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसरों पर विविध कार्यक्रमों के आयोजन भी किए जाते थे। सदस्यों द्वारा बच्चों को पर्वों के अवसर पर उपहार भी भेंट किए जाते थे। उन्हें समयानुसार ऊनी–सूती, वस्त्र, यूनीफ़ार्म, मोज़े, जूते आदि भी प्रदान किए जाते रहे थे। कोरोना महामारी के कारण इस केन्द्र को बन्द करना पड़ गया और तब से यह केन्द्र लगातार बंद ही चल रहा है। इस केन्द्र में प्रवासी मजदूरों के बच्चे पढ़ते थे। वे सब अपने अपने

क्रमशः...4

गाँव चले गए हैं। निकट भविष्य में उनके इसी स्थान पर लौटने की उम्मीद भी नहीं है। इस बीच केन्द्र जिस भूखंड पर स्थापित था उसके स्वामी ने वहाँ अपना मकान बनाना प्रारम्भ कर दिया है। इस लिए इस केन्द्र का संचालन पुनः प्रारम्भ करने से पूर्व हमें उसी इलाके में नए स्थान की भी व्यवस्था करनी होगी। इस केन्द्र के संचालन में सबसे बड़ी बाधा, केन्द्र की अपनी भूमि का उपलब्ध न होना है, जिसके कारण केन्द्र का स्थान बार बार परिवर्तित करना पड़ता है। केन्द्र के सुगम संचालन के लिए स्थायी रूप से भूमि की व्यवस्था करने के लिये **भावना** प्रयासरत है। इस महाधिवेशन के माध्यम से मैं अपील करता हूँ कि यदि कोई सदस्य इस संबंध में राज्य सरकार, लखनऊ विकास प्राधिकरण या जिला प्रशासन से भूमि प्राप्त करने में सहायता कर सकता हो तो कृपया माननीय अध्यक्ष महोदय या मुझे सूचित करने की कृपा करे।

भावना की **एन.सी.आर. शाखा** द्वारा भी इस योजना में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इन्दिरापुरम् (गाजियाबाद) के पास कनावनी ग्राम में स्थित **महापंडित राहुल अनौपचारिक विद्यालय** में इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर करने, हैण्डपम्प लगवाने, बच्चों को पुस्तकें आदि प्रदान करने में विगत दो वर्षों में 2.82 लाख रुपए से अधिक का योगदान शाखा के सदस्यों द्वारा किया जा चुका है। किन्तु कोरोना महामारी के कारण वर्तमान सत्र में यह विद्यालय लगातार बंद चलता रहा है और इस लिए इस सत्र में यहाँ कोई कार्य नहीं किया गया है।

7. **निर्धन कन्या सशक्तिकरण योजनाः** कोरोना महामारी के कारण **भावना** के फिलहाल बंद चल रहे **अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र** के वर्तमान स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर पराग डेरी रोड पर, नागेश्वर मंदिर के पास, रिक्शा कॉलोनी में समिति के वॉलन्टियर सदस्य श्री चन्द्र भूषण तिवारी के अल्प आय वर्ग के दो आवास अगल बगल स्थित हैं जिनमें उनके सहयोग से निराश्रित/निर्धन परिवारों की लड़कियां अपने हस्तकौशल और प्रशिक्षण से छुटपुट घरेलू उपयोग की सामग्री बनाती हैं। श्री तिवारी की सहमति से उक्त संस्थान/कार्यक्रम को **भावना** ने अंगीकार कर लिया है। **भावना** द्वारा यह कार्यक्रम यथावत **''भावना निर्धन कन्या सशक्तिकरण योजना''** के नाम से संचालित किया जा रहा है। इस योजना का संचालन एवं प्रबंधन **अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ** द्वारा ही किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मद में होने वाले व्यय को यथासम्भव उतनी धनराशि तक ही सीमित रखा जा रहा है जितनी धनराशि **अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र** के संचालन पर व्यय हुआ करती थी।

8. **ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा योजनाः** इस योजना के अन्तर्गत लखनऊ तथा आस पास के जनपदों में **ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ** के सदस्यों द्वारा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों की सहायता से निर्धन एवं गरीब लोगों को चिन्हित किया जाता है। इन चिन्हित व्यक्तियों के निवास के समीपस्थ ग्राम में पूर्व–घोषित तिथि एवं समय पर कार्यक्रम आयोजित करके स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों यथा ग्राम प्रधान आदि की उपस्थिति में पूर्व–चिन्हित व्यक्तियों को एक एक नया ऊनी कम्बल प्रदान किया जाता है। वरिष्ठ नागरिकों, नेत्रहीन, विधवा एवं दिव्यांग व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाती है। कार्यक्रम में उपस्थित शेष गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को नये–पुराने वस्त्र एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं भी वितरित की जाती हैं। कोरोना महामारी के बावजूद इस वर्ष भी शीत ऋतु में निम्नानुसार कार्यक्रम आयोजित किए गए:

- 27 दिसम्बर, 2020 को ग्राम ठाकुरपुर–श्यामनगर, ब्लाक व तहसील सिरौली–गौसपुर, जिला बाराबंकी में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 04 जनवरी, 2021 को ब्लाक व तहसील हसनगंज, जिला उन्नाव में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 10 जनवरी, 2021 को संत कबीर नगर, फैजुल्लागंज–2, घैला रोड, जिला लखनऊ में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 17 जनवरी, 2021 को श्री नीलकंठ महादेव मंदिर ग्राम सुरवारी, जिला अयोध्या में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 24 जनवरी, 2021 को ग्राम बहरौरा, ब्लाक माल, तहसील मलिहाबाद, जिला लखनऊ में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 29 जनवरी, 2021 को के.जी. मेडिकल कालेज लखनऊ के परिसर में **भावना** की सदस्य संस्था **विजयश्री फ़ाउन्डेशन** द्वारा संचालित रैनबसेरों में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।

क्रमशः...5

इन सभी कार्यक्रमों में उपस्थित हुए महिलाओं एवं पुरुषों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विविध जन हितकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गयी ताकि जानकारी के अभाव में वे लाभ से वंचित न रह जायें। इन कार्यक्रमों में लोगों को भारत के संविधान के उन प्राविधानों की जानकारी भी दी गयी जो ग्रामवासियों से सीधे सम्बन्धित हैं। प्रत्येक कार्यक्रम में सरल हिन्दी में लिखी गयी **''जागो गणराज्य जागो''** नामक पुस्तक की कुछ प्रतियाँ भी वितरित की गयीं। उपस्थित जनसमूहों को स्वच्छता अभियान की जानकारी देने के साथ साथ बिना दवाओं के इस्तेमाल के कैसे स्वस्थ रह सकते हैं, के तौर तरीकों की भी जानकारी देकर जागरूक किया गया। कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष किसी भी शिविर में नये–पुराने वस्त्र एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं वितरित नहीं की गईं।

9. कोरोना महामारी के दौरान लागू प्रतिबंधों के कारण इस वर्ष **विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर** का आयोजन नहीं किया जा सका।

10. **भावना समर्थित प्रसादम सेवा योजनाः भावना** की सदस्य संस्था **विजयश्री फाउण्डेशन** द्वारा लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल कालेज चिकित्सालय, बलरामपुर चिकित्सालय तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय के परिसर में चिकित्सालय में भर्ती गरीब मरीजों के तीमारदारों को दोपहर का भोजन निःशुल्क उपलब्ध कराने के उद्येश्य से **प्रसादम् सेवा** कार्य संचालित किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत गरीब मरीजों के पूर्व चिन्हित तीमारदारों को निःशुल्क सात्विक एवं ताजा भरपेट भोजन स्वच्छ वातावरण में भोजन कक्ष में आसनों पर बैठा कर कराया जाता है। इस सेवा के लिए तीनों स्थानों पर चिकित्सालय प्रशासन द्वारा स्थान उपलब्ध कराए गए हैं तथा बिजली पानी की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है। विजयश्री फाउण्डेशन के सचिव श्री विशाल सिंह के निष्ठापूर्ण कार्य एवं सेवा को देखते हुए उनके अनुरोध पर **भावना** ने इस सेवा को अंगीकार करके यथासम्भव सहायता देने का संकल्प लिया है। वर्तमान में इस योजना के अन्तर्गत लगभग 750 लोग प्रतिदिन भोजन ग्रहण करते हैं। **भावना** द्वारा विजयश्री फाउण्डेशन को प्रसादम सेवा कार्यक्रम हेतु अब तक 9,00,000 रुपये से अधिक का सहयोग दिया जा चुका है, साथ ही 20,000 रुपये मूल्य का रेफ्रीजरेटर एवं 1,30,000 रुपये मूल्य का ई–रिक्शा भी उपलब्ध कराया गया है। **भावना** के अनेक सदस्यों द्वारा सीधे विजयश्री फाउण्डेशन को भी इस सेवा में सहयोग किया गया है। **भावना** के सदस्यों द्वारा अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन, विवाह की सालगिरह या परिवार के दिवंगत सदस्यों की पुण्यतिथि पर भी सहयोग दिया जाता है। किंग जार्ज मेडिकल कालेज परिसर में कुछ रैनबसेरे बने हैं जो चारों ओर से खुले हैं। **विजयश्री फ़ाउन्डेशन** द्वारा इनमें से तीन रैनबसेरों को अंगीकार करके उनमें सभी ओर से मजबूत पर्दे लगवाकर, वर्टिकल बन्क–बेड्स बनवाकर उनमें पलंग, गद्दे तथा रजाइयाँ/कम्बल निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए हैं। इन रैनबसेरों में रुकने वालों को निःशुल्क चाय, नाश्ता तथा भोजन भी दिया जाता है। इस कार्य में भी **भावना** द्वारा विजयश्री फ़ाउन्डेशन को भरपूर सहयोग दिया जा रहा है। इस वर्ष कोरोना महामारी के दौरान हजारों गरीबों को निशुल्क भोजन कराया गया जिसके लिये सचिव श्री विशाल सिंह को सम्मानित भी किया गया है।

11. **उच्चकोटि का वृद्धाश्रम बनाने की योजनाः भावना** के आवेदन पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस–वे इण्डस्ट्रिल डेवलपमेंट अथॉरिटी (येडा) द्वारा इन्स्टीट्यूशनल प्लाट स्कीम 2016 के अन्तर्गत 3000 वर्गमीटर विकसित प्लाट एक उच्चकोटि का वृद्धाश्रम बनाने हेतु **भावना** को आवंटित किया गया था जिसकी कीमत लगभग 1.76 करोड़ रुपए थी। सम्बंधित आवासीय क्षेत्र विकसित होने के बाद येडा ने **भावना** के लिए जो **प्लॉट नं. ओ.ए.एच. 01, पॉकेट जे, सेक्टर 18** आरक्षित किया है उसका वास्तविक क्षेत्रफल 3250 वर्गमीटर है। तदनुसार अब इस प्लॉट का मूल्य भी बढ़ गया है। इस प्लॉट के तीन ओर सड़क है तथा सामने काफी बड़ा पार्क है। यमुना एक्सप्रेस–वे, ईस्टर्न पेरीफ़ेरल एक्सप्रेस–वे, प्रस्तावित पलवल–खुर्जा एक्सप्रेस–वे तथा निर्माणाधीन जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस प्लॉट से काफी निकट हैं। डी.एन.डी. फ्लाई–वे 45 कि.मी. तथा मथुरा–वृंदावन मात्र 105 कि.मी. दूर हैं। येडा प्रशासन से यथावश्यक धनराशि जमा करके 01 जनवरी, 2020 को प्लॉट की लीज़ डीड हस्ताक्षरित हो चुकी है। इसका भौतिक कब्जा भी **भावना** को इस वर्ष मिल गया है। वृद्धाश्रम का निर्माण कार्य प्रारम्भ करने के लिये भूमि की जाँच करा ली गई है। निर्माण के नक्शे येडा प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए जा चुके हैं। उनकी जिज्ञासाओं के समाधान भी किए जा चुके हैं। उम्मीद है कि इस माह के अंत तक नक्शों की स्वीकृति मिल जाएगी। उसके तत्काल बाद भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो जाएगा। इस वृद्धाश्रम प्रोजेक्ट का सम्पूर्ण विवरण तत्सम्बंधी ब्रोशर में उपलब्ध है। ब्रोशर रजिस्ट्रेशन काउन्टर पर उपलब्ध हैं।

क्रमशः...6

12. **भावना बहुउद्देशीय वरिष्ठ नागरिक डे–क्लबः** वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक जानकारी एवं मनोरंजन उपलब्ध कराने हेतु **भावना** का यह क्लब सी–10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ में कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से स्थापित किया गया था। इस सेन्टर पर **भावना** के विभिन्न प्रकोष्ठों की बैठकें तो समय–समय पर अवश्य हुआ करती थी, किन्तु सामान्य गतिविधियां शून्य ही रही हैं। यही स्थिति तब भी थी जब यह क्लब प्रियदर्शिनी कॉलोनी में स्थापित था। समिति के सदस्यों में तथा आस पास के अन्य वरिष्ठ नागरिकों में भी इस प्रकार के क्लब में आने में रुचि नहीं प्रतीत होती है। अतः इसे बंद कर दिया गया है।

12. **भावना चैरिटेबल फिजियोथेरेपी क्लीनिकः भावना** का यह क्लीनिक भी सी–10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ में कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से स्थापित किया गया था। **भावना** के वॉलन्टियर सदस्य, **फ़िजियोथेरेपिस्ट डॉ. अमित सिंह** द्वारा यह क्लीनिक शून्य लाभ–हानि के आधार पर संचालित किया जा रहा था। इस क्लीनिक में सभी प्रकार के उपकरण यथा Shortwave Diathermy, Interferencial Therapy, Ultrasound Therapy, Muscle Stimulator, Combo Therapy, Traction Unit, Wax Bath, Quadriceps Chair, Shoulder Wheel आदि उपलब्ध थे। ये सभी उपकरण **भावना** को Helpage India के सौजन्य से निःशुल्क प्राप्त हैं। वर्तमान में उपलब्ध स्थान पर इस क्लीनिक में भी मरीजों की आमद कम होने के कारण इसे लखनऊ में ही अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने पर विचार किया जा रहा है। इस समय में कोरोना महामारी के कारण यह क्लीनिक बंद है।

14. **महिला सशक्तिकरण के कार्यः** महिलाओं में स्वावलम्बन एवं सहयोग की सोच बलवती कराने तथा निर्धन एवं निरक्षर महिलाओं एवं बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कराने के लिए **भावना** की महिला सदस्यों द्वारा संचालित **महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ** अत्यन्त सक्रिय है। यह प्रकोष्ठ वृद्धाश्रमों एवं बालिकाओं के स्कूलों में निर्धन एवं जरूरतमंद बालिकाओं एवं महिलाओं को नवरात्रि, मकरसंक्रान्ति, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा अन्य त्योहारों पर खान–पान एवं उनके उपयोग की अन्य वस्तुओं का वितरण कर उन्हें सहयोग प्रदान करता है। **भावना** के स्थापना दिवस के अवसर पर समिति से आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले बच्चों को इस प्रकोष्ठ द्वारा उनके उपयोग की अनेक वस्तुएं उपहार में दी जाया करती हैं। **भावना** के होली मिलन उत्सव, नववर्ष उत्सव एवं तीजोत्सव के आयोजनों को सफल बनाने में इस प्रकोष्ठ का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं सराहनीय हुआ करता है। कोरोना महामारी के कारण इस वर्ष इस प्रकोष्ठ द्वारा कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया जा सका।

15. **सहयोग एवं सेवा कार्यक्रमः भावना** ने लखनऊ नगर में अपने सदस्यों एवं अन्य बुजुर्गों की देखभाल एवं उनसे निरन्तर सम्पर्क बनाये रखने के उद्येश्य से **सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ** का गठन किया हुआ है। प्रकोष्ठ के सदस्यों को 10 अलग अलग इलाकों का दायित्व सौंपा गया है। इस प्रकोष्ठ द्वारा आपात् स्थिति में यथासम्भव सहयोग करने, एकाकी जीवन जी रहे वरिष्ठ नागरिकों को सहयोग प्रदान करने, समिति के दिवंगत पुरुष सदस्यों की विधवाओं से सम्पर्क कर उनकी देखभाल करने, सदस्यों हेतु भ्रमण, पिकनिक एवं गोष्ठियों की व्यवस्था करने, सदस्यों के जन्मदिन एवं विवाह की वर्षगांठ पर शुभकामना संदेश प्रेषित करने तथा वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर उनका सार्वजनिक अभिनन्दन करने के कार्य किए जाते हैं। कोरोना महामारी के दौरान भी इस प्रकोष्ठ के सदस्य निरंतर सहयोग एवं सेवा कार्य करते रहे हैं।

16. **पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमः** दिनों दिन बढ़ते वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण तथा जल प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए एवं विशेषकर वृद्ध जनों के स्वास्थ्य पर इसके कुप्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए **भावना** ने जागरूकता फैलाने के उद्येश्य से **पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ** का गठन किया है। इस प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य गोष्ठियों तथा वृक्षारोपण इत्यादि के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना एवं प्रदूषण की रोकथाम हेतु उचित लाभकारी उपायों के बारे में सुझाव देना है। कोरोना महामारी के कारण इस वर्ष **पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ** द्वारा कोई विशेष कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जा सके। केवल **वृक्ष–कल्याणम्** संस्था के साथ मिलकर तीन विद्यालयों एवं सड़क के किनारे 35 फलदार तथा छायादार वृक्षों का रोपड़ किया गया और 40 पौधे तुलसी के वितरित किये गये।

17. **वैकल्पिक चिकित्सा कार्यक्रमः भावना** की मान्यता है कि जब तक अपरिहार्य न हो तब तक लोगों को आधुनिक चिकित्सा पद्धति से इलाज कराने से बचना चाहिए क्योंकि इस पद्धति से इलाज में दवा के दुष्प्रभाव बहुत हैं। समिति का **वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ** इसी मान्यता पर कार्य करता है। प्रकोष्ठ के सचिव डॉ. नरेन्द्र देव, अन्य

क्रमशः...7

सदस्यों एवं अनुभवी लोगों के साथ मिलकर समय–समय पर गोष्ठियाँ, कार्यशालायें तथा प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर लोगों को बिना औषधि के स्वस्थ रहने के उपाय बताते हैं। उनके द्वारा एक्यूप्रेशर चिकित्सा के सम्बन्ध में भी जानकारी दी जाती है तथा प्रशिक्षण भी दिया जाता है। कोरोना महामारी के दौरान उनके द्वारा लखनऊ में निम्नलिखित विवरण के अनुसार जागरूकता कार्यक्रम ही आयोजित किये जा सकेः–

क्रमांक	स्थान	प्रतिभागी	दिनांक
1.	सी एम ओ कार्यालय, लखनऊ	30	30.06.2020
2.	लाइब्रेरी कार्यालय, विश्वावार्ता समाचार पत्र, लखनऊ	18	28.08.2020
3.	दयानन्द इन्टर कालेज, लखनऊ	50	07.11.2020

18. **सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनः भावना** के सदस्यों एवं उनके परिजनों के सामूहिक मेल मिलाप तथा मनोरंजन के उद्देश्य से नव–वर्ष मिलन एवं होली मिलन के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इन कार्यक्रमों की संरचना एवं प्रस्तुति **सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ** तथा **महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ** द्वारा मिलकर की जाती है। इन कार्यक्रमों में सदस्यों एवं उनके परिजनों द्वारा बड़ी संख्या में भाग लिया जाता है। **भावना परिवार** का **नव–वर्ष अभिनन्दन** का रंगारंग कार्यक्रम गोयल फार्म हाउस, लखनऊ में रविवार, 05 जनवरी, 2020 को आयोजित किया गया। 15 मार्च, 2020 को **भावना परिवार** का **होली मिलन समारोह** भी गोयल फार्म हाउस, कुर्सी रोड, लखनऊ में ही आयोजित था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण यह समारोह निरस्त करना पड़ा। इस वर्ष 2021 में **भावना परिवार** का **नव–वर्ष अभिनन्दन** का कार्यक्रम भी इसी कारण आयोजित नहीं किया जा सका।

19. **नया प्रस्तावित कार्यक्रमः व्यक्तिगत सहायता योजनाः** यह नया कार्यक्रम सत्र 2020 में कोरोना महामारी के कारण प्रारम्भ नहीं किया जा सका। अब आगामी सत्र 2021 से यह कार्यक्रम ऐसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रारम्भ किया जाएगा जिन्हें अपने घर में एकान्त महसूस होता है और घर से बाहर निकल कर जाने में दिक्कत होती है तथा तमाम घर के एवं बाहर के कामों के लिए तथा कम्पैनियनशिप के लिए भी उन्हें किसी न किसी कम उम्र के व्यक्ति की सहायता लेनी पड़ती है। इस सेवा को प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति समिति को इस योजना की मद में कम से कम तीस हजार रुपए प्रति वर्ष अथवा चार लाख रुपए एक मुश्त एक बार दान करेंगे तो समिति द्वारा उन्हें यथावांछित व्यक्तिगत सहायता प्रदान की जाएगी। समिति द्वारा इस सेवा के लिए सुयोग्य लड़के/लड़कियों का सेवा–दल तैयार किया जाएगा तथा उन्हें उचित मानदेय दिया जाएगा।

20. **भावना के प्रकाशनः** प्रकाशन सम्बन्धी कार्य **भावना** के **सम्पादन प्रकोष्ठ** द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं। समिति के त्रैमासिक मुखपत्र **भावना–संदेश** का सम्पादन एवं प्रकाशन गत 20 वर्षों से नियमित रूप से किया जा रहा है तथा इसके माध्यम से समिति की गतिविधियों की जानकारी तथा शासन द्वारा समय–समय पर निर्गत शासनादेशों एवं योजनाओं की जानकारी सदस्यों को उपलब्ध कराई जाती है। पत्रिका में सम–सामयिक, साहित्यिक एवं आध्यात्मिक रचनाओं का प्रकाशन भी होता है। **भावना** अपने सदस्यों द्वारा रचित कई पुस्तकों/पुस्तिकाओं का प्रकाशन भी कर चुकी है। इनमें भावना–संदेश के पूर्व सम्पादक स्वर्गीय धर्मवीर सिंह की तीन पुस्तकें, वर्तमान सदस्य श्री उदय भान पाण्डेय की एक पुस्तक तथा डॉ. नरेन्द्र देव की एक पुस्तिका उल्लेखनीय हैं। कोरोना महामारी की तीव्रता के दौरान लगे लॉक–डाउन में लागू कड़े प्रतिबंधों के कारण पत्रिका का अप्रैल 2020 अंक प्रकाशित नहीं हो पाया था। फलतः अगला अंक **संयुक्तांक अप्रैल–जुलाई 2020** के रूप में प्रकाशित किया गया था। जनवरी 2021 अंक पुनः समय से प्रकाशित किया गया। **सम्पादन प्रकोष्ठ** के सभी सदस्य इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

21. **संसाधन प्रबन्धः** यद्यपि सामान्यतः अपने अपने कार्यक्रमों के लिए संसाधनों का प्रबन्ध सम्बन्धित प्रकोष्ठ ही करते हैं तथापि **भावना** के विशेष बड़े कार्यक्रमों हेतु संसाधनों को जुटाने के उद्देश्य से **संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ** भी गठित है। कोरोना महामारी के कारण वर्तमान सत्र में **भावना** का कोई बड़ा आयोजन नहीं हुआ, इस लिए इस प्रकोष्ठ की गतिविधियां नगण्य ही रहीं।

22. **एडवोकेसीः भावना** द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए काम करने वाली कुछ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से जुड़ने के कार्य को प्राथमिकता दी गई है ताकि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर, राष्ट्रीय स्तर एवं राज्यों के स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं सुविधायें प्राप्त करने हेतु मांगों में एक रूपता हो। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु **भावना** तमाम संस्थाओं से जुड़ी है तथा **भावना** ने तमाम संस्थाओं को अपने साथ जोड़ा है। तत्सम्बंधी विवरण ऊपर पृष्ठ 2

क्रमशः...8

के प्रस्तर 1 पर अंकित है। अपने उद्येश्यों एवं कार्यक्रमों के समुचित प्रचार प्रसार हेतु **भावना** ने अपनी वेबसाईट नए सवंर्धित कलेवर में री–लांच की है। यह वेबसाइट लगभग रोजाना ही अपडेट की जाया करती है। ये सभी कार्य **महासचिव(एडवोकेसी)** के नेतृत्व में **भावना** के **वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ** द्वारा निष्पादित किए जाते हैं।

23. **विभिन्न अस्पतालों/चिकित्सकों के साथ दीर्घकालीन अनुबन्धः** अपने सदस्यों को सभी प्रकार की चिकित्सा सुविधायें नगण्य दरों पर उपलब्ध कराने हेतु **भावना** द्वारा लखनऊ में **आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय, अवध मल्टीस्पेशियेलिटी हॉस्पिटल, सुधा डेन्टल क्लीनिक** तथा **स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान** के साथ दीर्घकालीन अनुबन्ध किये गये हैं। **भावना** के लखनऊ निवासी अधिकतर सदस्य इन सुविधाओं का लाभ भी उठा रहे हैं।

24. **अति वरिष्ठ सदस्यों का सार्वजनिक अभिनन्दनः** **भावना** के प्रत्येक वार्षिक महाधिवेशन के अवसर पर उस समय तक 80 वर्ष तथा अधिक आयु प्राप्त कर चुके सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित करके उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया जाता है तथा उनके स्वस्थ रहते हुए दीर्घायु की कामना की जाती है। आज इस महाधिवेशन में भी ऐसे सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। उनमें से उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है।

25. **भावना के संवैधानिक दायित्वः** नियमावली के अनुसार प्रति वर्ष **भावना** की प्रबन्धकारिणी की चार बैठकें होनी चाहिए। कोरोना महामारी के कारण इस वर्ष केवल तीन बैठकें ही आयोजित की जा सकीं जिनमें से दो बैठकें डिजिटल प्लैटफ़ॉर्म पर ही आयोजित की जा सकीं थी। **भावना** की वार्षिक आम सभा की बैठक (वार्षिक महाधिवेशन) हर वर्ष निर्धारित समय पर आयोजित होती चली आ रही है।

- **भावना** के आय–व्यय का वार्षिक लेखा (Balance Sheet) नियमानुसार समय से सम्प्रेक्षक एवं चार्टर्ड एकाउन्टेंट से प्रमाणित कराया जाता है तथा आयकर रिटर्न भी हर वर्ष समय से जमा किया जाता है।
- **भावना** के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित आय–व्यय का बजट वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराया जाता है।
- **भावना** के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्य योजना वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराई जाती है। गत वार्षिक आम सभा द्वारा अनुमोदित वर्तमान लेखा वर्ष की कार्य योजना की प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जिन योजनाओं/कार्यक्रमों को जारी रखने का संकल्प लिया गया था उन पर प्रभावी कार्यवाही करके जारी रखा गया है और आगे भी जारी रखा जायेगा। कोरोना महामारी के कारण कुछ कार्य सम्पन्न नहीं हो पाये हैं। उन्हें आगामी वर्ष में पूर्ण करने का प्रयास किया जायेगा।

26. **भावना के सदस्यों द्वारा किए गए भ्रमणः** कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020–21 में कोई भी भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सका।

मान्यवर, विगत दिनों **भावना** ने अपने विशिष्ट सदस्य श्री रघुराज राम चौधरी , विशिष्ट सदस्य श्रीमती राम दुलारी गोयल, आजीवन सदस्य श्री जगदम्बा प्रसाद पाठक, आजीवन सदस्य श्री परमात्मा स्वरूप त्रिपाठी, आजीवन सदस्य श्री पद्म मंगल त्रिवेदी एवं आजीवन सदस्य श्री नरेन्द्र सिंह को खो दिया है। वे काल के ग्रास बन गए हैं। **भावना** के लिए यह अपूरणीय क्षति है। इसे नियति का चक्र मानकर हम दिवंगत आत्माओं की सद्गति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

अभी कुछ देर बाद ही समिति की साधारण सभा की बैठक का आंतरिक सत्र प्रारम्भ होगा। उस सत्र में महासचिव(प्रशासन), महासचिव(कार्यान्वयन) तथा महासचिव(एडवोकेसी) समिति के भावी कार्यक्रमों के विषय में आपसे अवश्य ही चर्चा करेंगे। मैं अपनी ओर से मात्र इतना ही और कहना चाहता हूँ कि आपके हित के तथा आपके माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग के हित के तमाम कार्य करने के लिए प्रबन्धकारिणी को आपका सर्वांगीण सक्रिय सहयोग मिलना परम आवश्यक है। तभी हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे, तभी हम पुनः नये लक्ष्य निर्धारित कर सकेंगे, तभी हम यह सिलसिला लगातार जारी रख सकेंगे, तभी हम समिति को तथा समिति के सदस्यों को उत्तरोत्तर प्रगति–पथ पर ले जा सकेंगे, तभी हम समिति की पहचान राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखने में सफल होंगे। प्रबन्धकारिणी को

क्रमशः...9

आपका आशीर्वाद, आपकी शुभकामनायें, आपका सहयोग एवं समिति के दृष्टिकोंण तथा उद्येश्यों के प्रति आपका समर्पण, सभी कुछ चाहिए।

वर्तमान सत्र में जो सहयोग माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदयों से मुझे तथा महासचिव(प्रशासन), महासचिव(कार्यान्वयन) एवं महासचिव(एडवोकेसी) को प्राप्त हुआ है उसके लिए मुझ सहित तीनों महासचिव उनके अत्यन्त आभारी हैं। समय–समय पर उनके द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों एवं परामर्शों से ही हम लोग अपने दायित्वों का निर्वहन कर सके। हम लोग चारों उपमहासचिवों, कोषाध्यक्ष जी, सह–कोषाध्यक्ष जी, सम्प्रेक्षक जी तथा प्रबन्धकारिणी के सभी अन्य सदस्यों के भी हृदय से आभारी हैं। उनके सहयोग से ही हम अपने कर्त्तव्यों का पालन कर सके। मैं अपनी ओर से तथा तीनों महासचिवों की ओर से समिति के सभी सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जिनकी प्रेरणा ने ही हम लोगों को अपने अपने कार्यों को निस्तारित करने का हौसला प्रदान किया है। मान्यवर, समिति की उपलब्धियाँ आप सबके सहयोग तथा माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदयों के कुशल निर्देशन में समिति के पदाधिकारियों के सम्मिलित प्रयासों से ही संभव हो सकी हैं। योजनाओं में यथावांछित प्रगति न प्राप्त होने के लिए हम व्यक्तिगत रूप से स्वयं को ही दोषी मानते हुए सदन से क्षमा प्रार्थी हैं। किन्तु हम निराश नहीं हैं, अतः निम्नलिखित पंक्तियों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करना चाहूँगाः

लहरों को साहिल की दरकार नहीं होती, हौसले बुलंद हों तो कोई दीवार नहीं होती।
जलते हुए चिराग ने आंधियों से ये कहा, उजाला देने वालों की कभी हार नहीं होती।।

ऋतुराज वसंत का वर्तमान समय आप में नव–उमंग भर दे, आगामी होली का पर्व आप सभी को, परिजनों, बन्धु–बान्धवों तथा इष्ट मित्रों सहित सब प्रकार से कल्याणकारी हों, इस मंगल कामना के साथ, एक बार पुनः आपके आगमन हेतु आपको बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय भावना, जय भारत।

(जगत बिहारी अग्रवाल)
प्रमुख महासचिव